चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम हरि भूमि

दिनांक 28.2.2018 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 7.8

हकृवि में मधुमक्खी व सिलाई पर प्रशिक्षण दिया

हिसार। प्रतिभागियों को प्रमाण-पंत्र वितरित करते डॉ. संजेश सिंह ।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हकृवि के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा मधुमक्खी पालन व कटाई सिलाई विषयों पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन हुए। प्रत्येक प्रशिक्षण में 30-30 प्रतिभागी शामिल हुए।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की पत्नी डा. संजेश सिंह मुख्य अतिथि थी। जबकि संस्थान की सहनिदेशिका डॉ. मंजू दहिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। डॉ. संजेश सिंह ने कहा कि उपर्युक्त दोनों प्रशिक्षण रोजगार प्राप्त करने के लिए अति उपयुक्त हैं। इसके साथ ही उन्होंने जैविक खेती, केंचुआ पालन, औषधीय पौधों की खेती आदि को भी अपनाने की सलाह दी। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए। कटाई-सिलाई प्रशिक्षण की संयोजिका डॉ. आशा बत्तरा ने प्रशिक्षणों पर प्रकाश डाला। मधुमक्खी पालन को एक लाभकारी व्यवसाय बताया। इस दौरान डॉ. अश्वनी कुमार ने अतिथियों एवं उपस्थितजनों का धन्यवाद किया। मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. सुरेन्द्र सिंह आदि उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पंजाब केसरी, दैनिक भास्कर

दिनांक 28.2.2018 पृष्ठ सं. 2, 3 कॉलम 4, 4

मधुमक्खी पालन प्रशिक्षणार्थियों को दिए प्रमाण-पत्र

हिसार, 27 फरवरी (स.ह.): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा मधुमक्खी पालन व कटाई सिलाई विषयों पर आयोजित 5 दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न हुए। प्रत्येक प्रशिक्षण में 30-30 प्रतिभागी शामिल हुए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह की पत्नी डा. संजेश सिंह मुख्यातिथि थी जबकि संस्थान की सहनिदेशिका डा. मंजू दहिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। डा. संजेश सिंह ने कहा कि उपर्युक्त दोनों प्रशिक्षण रोजगार प्राप्त करने के लिए अति उपयुक्त हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण दौरान प्राप्त ज्ञान को रोजगार का जरिया बनाने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने जैविक खेती, केंचुआ पालन, औषधीय पौधों की खेती आदि को भी अपनाने की सलाह दी। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए। इस अवसर पर मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण के संयोजक डा. भूपेन्द्र सिंह व डा. सुरेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि डा. संजेश सिंह प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए।

मधुमक्खी पालन व कटाई सिलाई कैंप में 60 को किया प्रशिक्षित

हिसार | सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा मधुमक्खी पालन व कटाई सिलाई विषयों पर आयोजित प्रशिक्षण संपन्न हुए। प्रत्येक प्रशिक्षण में 30-30 प्रतिभागी शामिल हुए। कुलपति प्रो. केपी सिंह की धर्मपत्नी डॉ. संजेश सिंह मुख्यातिथि रहीं। संस्थान की सहनिदेशिका डॉ. मंजू दहिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने जैविक खेती, केंचुआ पालन अपनाने की सलाह दी। कटाई-सिलाई प्रशिक्षण की संयोजिका डॉ. आशा बत्तरा ने बताया कि प्रतिभागियों को सलवार, कमीज, विभिन्न प्रकार की लैगिंग, ब्लॉक प्रिंटिंग, क्वीलिंटिंग, विभिन्न प्रकार की कढ़ाई आदि बारे जानकारी दी गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....

दिनांक 28.2.2018 पृष्ठ सं. ...6..... कॉलम ...3.....

हकृवि में प्रशिक्षण के बाद प्रमाण-पत्र प्राप्त करते प्रतिभागी

हकृवि में मधुमक्खी पालन व कढ़ाई-सिलाई विषयों पर प्रशिक्षण शिविर संपन्न

हिसार। हकृवि के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा मधुमक्खी पालन व कटाई सिलाई विषयों पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ।

प्रत्येक प्रशिक्षण में 30-30 प्रतिभागियों को शामिल किया गया था। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की पत्नी डॉ. संजेश सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रही, जबकि संस्थान की सह निदेशिका डॉ. मंजू दहिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रशिक्षण की संयोजिका डॉ. आशा बत्तरा ने बताया कि प्रतिभागियों को सलवार, कमीज, विभिन्न प्रकार की लैगिंग, ब्लॉक प्रिंटिंग, क्विल्टिंग, विभिन्न प्रकार की कढ़ाई आदि बारे जानकारी दी गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ...नित्य शक्ति एक्सप्रेस...

दिनांक 27-2-2018 पृष्ठ सं. .... कॉलम ....

रोजगार के लिए प्रशिक्षण अति उपयुक्त : संजेश
मधुमक्खी पालन व कटाई-सिलाई पर पांच दिवसीय प्रशिक्षसण सम्पन्न

हिसार, 27 फरवरी (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा मधुमक्खी पालन व कटाई सिलाई विषयों पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुए। प्रत्येक प्रशिक्षण में 30-30 प्रतिभागी शामिल हुए।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की धर्मपत्नी डॉ. संजेश सिंह मुख्य अतिथि थीं जबकि संस्थान की सहनिदेशिका डॉ. मंजू दहिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। डॉ. संजेश सिंह ने कहा कि उक्त दोनों प्रशिक्षण रोजगार प्राप्त करने के लिए अति उपयुक्त हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण दौरान प्राप्त ज्ञान को रोजगार का जरिया बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जो बच्चे किसी कारणवश पढ़ाई नहीं कर पाते या कम पढ़े-लिखे हैं, वे ऐसे प्रशिक्षण प्राप्त करके छोटे स्तर पर कार्य शुरू करके धीरे-धीरे इसे विशाल स्तर तक भी ले जा सकते हैं। इससे न केवल वे अपने घर-परिवार का अपितु देश के विकास में अपना योगदान दे सकते हैं। उन्होंने प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान को अपने आसपास के लोगों में भी प्रसारित करने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने जैविक खेती, केंचुआ पालन, औषधीय पौधों की खेती आदि को भी अपनाने की सलाह दी। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए।

कटाई-सिलाई प्रशिक्षण की संयोजिका डॉ. आशा बतरा ने उपरोक्त प्रशिक्षणों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रतिभागियों को सलवार, कमीज, विभिन्न प्रकार की लैगिंग, ब्लॉक प्रिंटिंग, क्वीलिंग, विभिन्न प्रकार की कढ़ाई आदि बारे जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को इस व्यवसाय की पूर्ण जानकारी दी गई। मधुमक्खी पालन को एक लाभकारी व्यवसाय बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे न केवल शहद की प्राप्ति होती है अपितु अन्य पदार्थ जैसे मोम, प्रोपोलिस, पराग, रॉयल जैली तथा मौन विष भी प्राप्त होते हैं जिनसे मधुमक्खी पालक अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकते हैं। डॉ. अश्विनी कुमार ने अतिथियों एवं उपस्थितजनों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. भूपेन्द्र सिंह व डॉ. सुरेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....नभ छोर....

दिनांक 28-2-2018 पृष्ठ सं. ....6.... कॉलम ....2-4....

मधुमक्खी पालन व कटाई सिलाई विषयों पर प्रशिक्षण संपन्न

हिसार/27 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा मधुमक्खी पालन व कटाई सिलाई विषयों पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुए। प्रत्येक प्रशिक्षण में 30-30 प्रतिभागी शामिल हुए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की धर्मपत्नी डॉ. संजेश सिंह मुख्य अतिथि थीं जबकि संस्थान की सहनिदेशिका डॉ. मंजू दहिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। डॉ. संजेश सिंह ने कहा कि उपर्युक्त दोनों प्रशिक्षण रोजगार प्राप्त करने के लिए उपयुक्त हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण दौरान प्राप्त ज्ञान को रोजगार का जरिया बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जो बच्चे किसी कारणवश पढ़ाई नहीं कर पाते या कम पढ़े-लिखे हैं, वे ऐसे प्रशिक्षण प्राप्त करके छोटे स्तर पर कार्य शुरू करके धीरे-धीरे इसे विशाल स्तर तक भी ले जा सकते हैं। इससे न केवल वे अपने घर-परिवार का अपितु देश के विकास में अपना योगदान दे सकते हैं। उन्होंने प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान को अपने आसपास के लोगों में भी प्रसारित करने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने जैविक खेती, केंचुआ पालन, औषधीय पौधों की खेती आदि को भी अपनाने की सलाह दी। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए। कटाई-सिलाई प्रशिक्षण की संयोजिका डॉ. आशा बतरा ने बताया कि इस दौरान प्रतिभागियों को सलवार, कमीज, विभिन्न प्रकार की लैगिंग, ब्लॉक प्रिंटिंग, क्वील्टिंग, विभिन्न प्रकार की कढ़ाई आदि बारे जानकारी दी गई। मधुमक्खी पालन को एक लाभकारी व्यवसाय बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे न केवल शहद की प्राप्ति होती है अपितु अन्य पदार्थ जैसे मोम, प्रोपोलिस, पराग, रॉयल जैली तथा मौन विष भी प्राप्त होते हैं जिनसे मधुमक्खी पालक अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकते हैं। डॉ. अश्विनी कुमार ने अतिथियों एवं उपस्थितजनों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. भूपेन्द्र सिंह व डॉ. सुरेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम हरि. भूमि

दिनांक 28.2.2018 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 1

खबर संक्षेप

हकृवि में दिया टॉफी और सॉस बनाने का प्रशिक्षण

हिसार। हकृवि के खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र में फल एवं सब्जी प्रसंस्करण विषय पर आयोजित एक सप्ताह का प्रशिक्षण संपन हुआ। इस प्रशिक्षण में प्रदेशभर से अनुसूचित जाति के 25 युवक-युवतियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी डा. एमके गर्ग मुख्य अतिथि थे। उन्होंने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि अगर देश में उपलब्ध फल व सब्जियों से मूल्य संवर्धित उत्पादों का प्रसंस्करण किया जाए तो इससे फल व सब्जियों को नष्ट होने से बचाया जा सकता है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र की निदेशक डॉ. राजबाला ग्रेवाल ने कहा कि इस तरह के रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करवाए जाते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक डा. राकेश गहलोत ने बताया कि प्रतिभागियों को तुरन्त सेव्य पेय, नेक्टर, स्क्वैश, शरबत, जैम, जैली, मार्मलेड, चीज, टॉफी, सॉस, चटनी, अचार, मुरब्बा, कैण्डी आदि के प्रसंस्करण एवं परिरक्षण बारे व्यावहारिक जानकारी दी गयी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 28.2.2018 पृष्ठ सं. 18 कॉलम 1-2

सब्जी प्रसंस्करण व्यवसाय को बनाएं कुटीर उद्योग

पाठ्य पुस्तिका का विमोचन करते मुख्य अतिथि डा. एमके गर्ग।

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र में फल एवं सब्जी प्रसंस्करण विषय पर आयोजित एक सप्ताह के प्रशिक्षण सम्पन हुआ। इस प्रशिक्षण में प्रदेशभर से अनुसूचित जाति के 25 युवक-युवतियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी डा. एमके गर्ग मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि अगर देश में उपलब्ध फल व सब्जियों से मूल्य संवर्धित उत्पादों का प्रसंस्करण किया जाए तो इससे फल व सब्जियों को नष्ट होने से बचाया जा सकता है। इस अवसर पर डा. गर्ग ने पाठ्यपुस्तिका का विमोचन किया और प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र की निदेशक डा. राजबाला ग्रेवाल ने कहा कि यदि फल व सब्जी प्रसंस्करण व्यवसाय को एक लघु व कुटीर उद्योग के रूप में अपनाया जाए तो बढ़ती हुई बेरोज़गारी को भी कम किया जा सकता है। इस दौरान कार्यक्रम के संयोजक डा. राकेश गहलोत भी मौजूद रहे। (जासं)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 28.2.2018 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 1

फल व सब्जी को लघु व कुटीर उद्योग के रूप में अपनाएं युवा: डॉ. ग्रेवाल

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र में फल एवं सब्जी प्रसंस्करण विषय पर आयोजित एक सप्ताह का प्रशिक्षण संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में प्रदेशभर से अनुसूचित जाति के 25 युवक-युवतियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के समापन पर कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी डॉ. एमके गर्ग मुख्यातिथि रहे। उन्होंने कहा कि अगर देश में उपलब्ध फल व सब्जियों से मूल्य संबंधित उत्पादों का प्रसंस्करण किया जाए तो इससे फल व सब्जियों को नष्ट होने से बचाया जा सकता है। इस अवसर पर डॉ. गर्ग ने पाठ्य पुस्तिका का विमोचन किया तथा प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र की निदेशक डॉ. राजबाला ग्रेवाल ने कहा कि यदि फल व सब्जी प्रसंस्करण व्यवसाय को एक लघु व कुटीर उद्योग के रूप में अपनाया जाए तो इससे देश की बढ़ती हुई बेरोजगारी को भी कम किया जा सकता है। संयोजक डॉ. राकेश गहलोत ने बताया कि इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को सेव्य पेय, नेक्टर, स्क्वैश, शरबत, आदि के प्रसंस्करण एवं परिरक्षण के बारे में व्यावहारिक जानकारी दी गई।